

वित्त वर्ष 2009 की तीसरी तिमाही के परिणाम घोषित किए जाने के पश्चात कांफ्रेंस कॉल
ट्रांसक्रिप्ट

प्रतिनिधि:

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त)

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन)

प्रभुदास लीलाधर के प्रतिनिधि:

श्री भरत गोरसिया – 91-22 6632 2242

दिनांक 16 जनवरी 2009

संचालक

देवियो और सज्जनो नमस्कार और प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लि. द्वारा प्रायोजित पावर फाइनैस कारपोरेशन कांफ्रेंस कॉल में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। कांफ्रेंस कॉल की समयावधि को ध्यान को रखते हुए इसके सभी प्रतिभागी तुरंत आगे की कार्रवाई को सुनना चाहते हैं। आज की प्रस्तुति के अंत में आपको प्रश्न पूछने का अवसर दिया जाएगा। यदि सम्मेलन के दौरान आप में से किसी को भी कोई आवश्यकता होती है तो कृपया "*" ये दबाकर ऑपरेटर के लिए संकेत करें और फिर अपने टचफोन पर "0" दबाएं। कृपया ध्यान दें कि इस सम्मेलन की कार्रवाई रिकॉर्ड की जा रही है। अब मैं इस सम्मेलन के आगे की कार्रवाई के संचालन हेतु मैसर्स प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लि. से श्री भरत गोरसिया को डायस पर आमंत्रित करता हूँ। आप सभी को धन्यवाद।

श्री भरत गोरसिया प्रभुदास लीलाधर

देवियो और सज्जनो को मेरा नमस्कार, मैं भरत गोरसिया प्रभुदास लीलाधर की ओर से पावर फाइनैस कारपोरेशन के लिए इस कांफ्रेंस कॉल में आप सभी का स्वागत करता हूँ। कोई बिलंब किए बिना मैं यह सम्मेलन श्री आर नागराजन, कार्यपालक निदेशक (वित्त), पावर फाइनैस कारपोरेशन को सौंपना चाहता हूँ। वह परिणामों के बारे में एक छोटी सी प्रस्तुति देंगे और फिर प्रश्न उत्तर का दौर चलेगा। आप सभी को धन्यवाद।

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पावर फाइनैस कारपोरेशन

देवियो और सज्जनो नमस्कार। मैं, नागराजन, कार्यपालक (वित्त) पावर फाइनैस कारपोरेशन से हूँ। मैं यहां मुख्य रूप से 9वें माह के परिणामों के प्रमुख विशेषताओं के बारे में चर्चा करूंगा।

सबसे पहली बात कि इसमें हमारे निबल लाभ में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, यह 911 करोड़ रूपए से बढ़कर 965 करोड़ रूपए हो गया है, तुलनात्मक पीएटी में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 897 करोड़ रूपए से बढ़कर 1063 करोड़ रूपए हो गया है। औसत परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में प्रचालन लाभ में 2 आधार बिंदुओं की वृद्धि हुई है और यह 3.54 प्रतिशत से बढ़कर 3.56 प्रतिशत हो गया है। कुल आय 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3673 करोड़ रूपए से बढ़कर 4746 करोड़ रूपए हो गई है। ब्याज से होने वाली निबल आय (एनएनआई) 22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1325 करोड़ रूपए से बढ़कर 1616 करोड़ रूपए हो गई है। ऋण के प्रतिशत के रूप में सकल एनपीए में कमी हुई है और यह 0.03 प्रतिशत से घटकर 0.02 प्रतिशत हो गया है। वितरण में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 9726 करोड़ रूपए से बढ़कर 14101 करोड़ रूपए हो गया है। ऋण परिसंपत्तियां 28 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 47129 करोड़ रूपए से बढ़कर 60441 करोड़ रूपए हो गई हैं और निबल मूल्य 8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 8887 करोड़ से बढ़कर 9587 करोड़ रूपए हो गया है। सीएआर 16.21 रूपए है और ईपीएस 11.21 रूपए है और प्रति शेयर बही मूल्य लगभग 83.53 रूपए है। ये तीसरी तिमाही के लाभों की प्रमुख विशेषताएं हैं।

संचालक

अब हम प्रश्नोत्तर सत्र प्रारंभ करेंगे। आप में से यदि कोई प्रश्न पूछना चाहता है तो कृपया “*” दबाएं और फिर अपने टचफोन पर “1” दबाएं। यदि आप स्वयं को प्रश्न कतार से अलग करना चाहते हैं तो कृपया “*” दबाएं और फिर अपने टचफोन पर “2” दबाएं। प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे प्रश्न पूछते समय केवल हैंडसेट का ही प्रयोग करें। यदि कोई व्यक्ति प्रश्न पूछना चाहता है तो वे अभी “*” और “1” दबाएं।

पहला प्रश्न वोंगंगर इंवेस्टमेंट के श्री हार्दिक दोशी ने किया है। कृपया आगे की कार्रवाई प्रारंभ करें।

श्री हार्दिक दोशी – वोंगंगर इंवेस्टमेंट

हाय, धन्यवाद। मेरे तीन प्रश्न हैं। मेरा पहला प्रश्न, क्या आप हमें इस विषय में कुछ जानकारी देंगे कि ऐसी कुल कितनी मंजूरियां हैं जो अभी बकाया है और जिनके वित्त वर्ष 2009, 2010 और 2011 के दौरान पूरे होने की आपको उम्मीद है?

श्री हार्दिक दोशी – वोंगंगर इंवेस्टमेंट

दूसरा प्रश्न, क्या वित्त वर्ष 2009 के लिए कुल मंजूरियों का लक्ष्य 50,000 करोड़ रूपए है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हां, यह मंजूरी के लिए यह है। हमने भारत सरकार के साथ 50,000 करोड़ रूपए के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और हमने पहले ही 43,000 करोड़ रूपए का लक्ष्य हासिल कर लिया है। इस प्रकार अब 31 मार्च 2009 तक हमें केवल लगभग 7,000 करोड़ रूपए की ही मंजूरी प्रदान करनी है और वास्तविक अवधि को पूरा करने के लिए अभी दो माह शेष हैं।

श्री हार्दिक दोशी – वोंगंगर इंवेस्टमेंट

मेरा अंतिम प्रश्न पुनर्भुगतान से संबंधित है। जैसे वित्त वर्ष 2009, 2010 और 2011 में संभावित पुनर्भुगतान क्या है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

जैसाकि आपको पहले से ही पता है, हम वित्त वर्ष 2009 और 2010 के बारे में बात नहीं कर सकते, यह जानकारी अभी नहीं दी जा सकती।

श्री हार्दिक दोशी – वोंगंगर इंवेस्टमेंट

ठीक है, परंतु क्या आप मुझे यह बता सकते हैं कि आपकी मंजूरी कितनी है, कुल बकाया मंजूरी और आगामी तीन वर्ष में संभावित संवितरण क्या है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

मुझे लगता है कि बकाया मंजूरियां लगभग 60,000 करोड़ रूपए हैं।

श्री हार्दिक दोशी – वोंगंगर इंवेस्टमेंट

मुझे लगता है कि पिछली तिमाही में हमें जो आंकड़ा प्राप्त हुआ है वह 1,10,000 करोड़ रूपए है जो अभी संवितरित किया जाना है।

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

आप संवितरण के लिए सदुपयोग न की गई मंजूरियों को शामिल कर रहे हैं और यही बात आप जानना चाहते हैं। ठीक है यह 1,10,000 करोड़ रूपए है।

श्री हार्दिक दोशी – वोंगंगर इंवेस्टमेंट

और आगामी तीन वर्ष में इसका प्रभाव होगा?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

आप देखेंगे कि 11वीं पंचवर्षीय योजना में ज्यादातर परियोजनाएं वित्त वर्ष 2010, 2011, 2012 के आसपास ही आने वाली हैं, सर्वाधिक संख्या वित्त वर्ष 2012 में होगी। इस प्रकार तीन वर्ष की अवधि के पश्चात क्या यह कहा जा सकता है कि वर्षों के संदर्भ में संवितरण को 30-40 30 प्रतिशत के रूप में विभाजित किया जाएगा, इसके अलावा अभी हम जो भी मंजूरियां कर रहे हैं और भविष्य में करेंगे उन्हें भी संवितरण में जोड़ा जाएगा, हो सकता है वित्त वर्ष 2010, 2011 और 2012 में यह 5 10 प्रतिशत हो।

श्री हार्दिक दोशी – वोंगंगर इंवेस्टमेंट

क्या आप एपीडीआरपी योजना, जिसके बारे में आप सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं की अद्यतन स्थिति बता सकते हैं?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

इसकी अद्यतन स्थिति यह है कि केपीएमजी को प्रक्रिया परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया है और सूचना प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन एजेंसियों की नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। वर्ष 2008-09 में संभावित मंजूरियां भाग 'क' में लगभग 1100 करोड़ रूपए हैं, वर्ष 2008-09 में संभावित संवितरण लगभग 340 करोड़ रूपए है। भाग 'ख' की कार्रवाई भाग 'क' की कार्रवाई पूर्ण होने के पश्चात की जाएगी, इस प्रकार भाग 'ख' का संवितरण हम अभी नहीं करेंगे। इस प्रकार भाग 'क' 2008 09 के दौरान लगभग 1100 करोड़ रूपए मंजूर किए गए और भाग 'क' में लगभग 340 करोड़ रूपए का संवितरण किया गया।

श्री हार्दिक दोशी – वोंगंगर इंवेस्टमेंट

ठीक है, धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एचडीएफसी म्युचुअल फंड के श्री आनंद लढा द्वारा किया गया है। कृपया कार्रवाई को आगे बढ़ाएं।

श्री आनंद लढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड

मैं केवल हर (डिनोमिनेटर) के संदर्भ में विदेशी मुद्रा ऋण के ब्यौरे जानना चाहता हूँ, यह अमेरिकी डॉलर, यूके और येन में कितना है और इनका भुगतान कब देय है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

अमेरिकी डॉलर में कुल राशि लगभग 442 अमेरिकी डॉलर के आसपास और यूरो देयता 43 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समतुल्य और येन देयता लगभग 38 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समतुल्य है। अमेरिकी डॉलर में देयता की गणना कुल विदेशी मुद्रा के एक्सपोजर के लगभग 84 प्रतिशत की गई है और यूरो देयता लगभग 8 प्रतिशत तथा येन देयता लगभग 7 प्रतिशत है।

श्री आनंद लढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड

श्रीमान जी क्या ये पूरी तरह से हैज हैं?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

इनमें से 47 प्रतिशत हैज नहीं हैं, अर्थात इनकी स्थिति मुक्त है।

श्री आनंद लढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड

श्रीमान जी ये पुनर्भुगतान के लिए कब देय हैं?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

मैं एक वर्ष में देय देनदारियों के बारे में चर्चा करूंगा, 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर वर्ष 2009-10 देय हैं और इसमें 10 प्रतिशत की मुक्त अंश है, सिंडिकेटेड लोन 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर है जिसमें मुक्त अंश लगभग 60 प्रतिशत है और यह अगस्त 2009 में देय है। यूरो ऋण लगभग 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, यह आंशिक है जो जून और दिसंबर में देय होगा और एडीबी – सीएफएस ऋण एक बार फिर मई और नवंबर माह में देय हैं जो लगभग 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर है और एडीबी का नया ऋण लगभग 0.05 मिलियन है। इस प्रकार कुल मुक्त अंश लगभग 83 मिलियन है।

श्री आनंद लढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड

अगले वर्ष कौन से ऋणों का पुनर्भुगतान देय है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

ठीक है।

श्री आनंद लढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड

श्रीमान जी केवल एक और बात, समाचार पत्रों में कुछ लेख छपे थे जिनमें यह कहा गया था कि पीएफसी को कर मुक्त बांड जारी करने की अनुमति दी जा सकती है। श्रीमान जी क्या इस संबंध में कोई पहल की गई है, क्या इसकी संभावना है, यदि हां तो इसकी मात्रा क्या हो सकती है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

आप फाइनेंशियल एक्सप्रेस रिपोर्ट और इकॉनामिक टाइम्स के सोमवार के समाचार पत्रों की बात कर रहे हैं, यह माननीय विद्युत मंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे द्वारा भारत के प्रधान मंत्री से किया गया एक अनुरोध था जिसे समाचार पत्रों ने लेख के रूप में प्रकाशित कर दिया है और रिपोर्ट में यह कहा गया है यह विचाराधीन है, मैं केवल इतनी ही जानकारी दे सकता हूँ कि यह विद्युत मंत्री द्वारा प्रधान मंत्री से किया गया एक अनुरोध है।

श्री आनंद लढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड

ठीक है, धन्यवाद श्रीमान जी।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एसबीआई म्युचुअल फंड के श्री रोहित शिम्पी द्वारा किया गया है। कृपया आगे की कार्रवाई प्रारंभ करें।

श्री रोहित शिम्पी – एसबीआई म्युचुअल फंड

अच्छे आंकड़ों के लिए बधाई। क्या आपने इस तिमाही में पीएफसी कंसल्टिंग में कोई राशि बुक की है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हमने लेखाओं की टिप्पणी में पहले ही इस बात का उल्लेख किया है, पीएफसी कंसल्टिंग 31 मार्च 2008 को पीएफसी की एक सहायक कंपनी हो गई है। पीएफसी कंसल्टिंग के मद में कोई भी आय पीएफसी की बही में बुक नहीं की गई। हमने पीएफसी कंसल्टिंग में जो भी इक्विटी निवेश किया है यह लाभांश के रूप में प्राप्त होगा और यदि हम उस समय कोई समेकन करते हैं तो हमें यह ज्ञात होगा कि मार्च के महीने में इससे क्या आय होगी।

श्री रोहित शिम्पी – एसबीआई म्युचुअल फंड

परंतु श्रीमान जी आपको तिमाही की राशि के बारे में संभवतः जानकारी नहीं होगी? आपको तिमाही के लिए सहायक कंपनी के राजस्व में आपकी राशि कितनी है, संभवतः इसकी जानकारी नहीं होगी?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

यह आय लगभग 3.53 करोड़ रूपए है।

श्री रोहित शिम्पी – एसबीआई म्युचुअल फंड

श्रीमान जी दूसरा प्रश्न उधारी दरों से संबंधित है, क्या हमने ब्याज दरों में गिरावट को देखते हुए अपनी उधारी दरों को कम करते हुए संशोधित किया है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

मैं इस कमी के बारे में अभी बात नहीं कर सकता हूँ, हम दरों को कम करने पर बाद में विचार कर सकते हैं।

श्री रोहित शिम्पी – एसबीआई म्युचुअल फंड

श्रीमान जी ऐसी कोई बात नहीं, मेरा प्रश्न यह है कि क्या तिमाही के दौरान आपने दरों में कोई परिवर्तन किया है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

यदि आप कारोबार में रहे होते और मुझे एक विशेष दर पर धन उधार देना होता जो कि बाजार में सबको स्वीकार्य है। इस प्रकार बाजार को ध्यान में रखते हुए पीएफसी दरों को घटाने का विचार कर सकती है।

श्री रोहित शिम्पी – एसबीआई म्युचुअल फंड

तीसरी तिमाही में दरों कम नहीं किया जा सकेगा?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

31 दिसंबर से पहले कोई भी कमी नहीं की गई।

श्री रोहित शिम्पी – एसबीआई म्युचुअल फंड

इस प्रकार हमारा पीएलआर लगभग 13-13.5 प्रतिशत के आसपास रहा होगा?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

पीएफसी में पीएलआर जैसी संकल्पना का प्रश्न ही नहीं उठता, यह उधारियों की रेटिंग के आधार पर 13.25 प्रतिशत से 15 प्रतिशत की रेंज में रहता है, इसके अलावा यह बात पर भी निर्भर करता है कि ऋणग्राही राज्य सरकार अथवा निजी क्षेत्र की कोई कंपनी है।

श्री रोहित शिम्पी – एसबीआई म्युचुअल फंड

और श्रीमान जी आप ऐसे किसी परिदृश्य के मामले, जहां अब आप त्रि एएए बांड लब्धि देख रहे हैं, मैं यह कैसे कह सकते हैं कि इसमें गिरावट हुई है और यह निर्धारित की जा रही हमारी उधारियों के 88 प्रतिशत समतुल्य है, हमें उधारी दरों को भी घटाना होगा। वित्त वर्ष 2008 और 2009 अब तक बहुत ही सुदृढ़ एनआईएम हमें प्राप्त हुआ है, आप इस पर विचार करेंगे कि ब्याज दर परिदृश्य के अनुसरण में क्या इसे बनाए रखा जा सकता है अथवा आपको ऐसा लगता है कि इसको लेकर कुछ दबाव बन सकता है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हम एनआईएम वही स्तर बनाए रखने का प्रयास करेंगे।

श्री रोहित शिम्पी – एसबीआई म्युचुअल फंड

ठीक है, धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न ब्लैकस्टोन के श्री महेश वाजे द्वारा किया गया है। कृपया आगे की कार्रवाई प्रारंभ करें।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

यदि हम तिमाही परिणामों पर नजर डालते हैं तो अंतिम तिमाही में कुछ तनाव की स्थिति प्रतीत होती है, यह बड़ा प्रभार जो मुद्रा परिवर्तन हानि के परिणामस्वरूप दिखाई दे रहा है, चौंकाने वाला है। अतः इसका क्या तर्क है, इसका आशय यह है कि विद्युत कंपनियों को ऋण उधार देने के कारोबार से जुड़े हुए हैं, हम मुक्त स्थिति क्यों बनाए रखते हैं? हम वास्तविक रूप से विदेशी मुद्रा में कारोबार करने वाले कोई ट्रेडर नहीं हैं, इसलिए हम इस प्रकार के सम्मेलन क्यों कर रहे हैं?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

आपके पहले प्रश्न का उत्तर, हम धन उधार देने के कारोबार से जुड़े हैं इसलिए हमें यह पता नहीं होता कि किस समय हमारा ऋणग्राही किसी विदेशी मुद्रा ऋण की मांग करेगा। ऐसे भी कुछ ऋण हैं जो हमने विदेशी मुद्रा ऋण के लिए मंजूर किए हैं। इस प्रकार यदि वे विदेशी मुद्रा ऋण की मांग करते हैं तो हम उन्हें इंकार नहीं कर सकते। यही एक कारण है जिसके चलते हम इसे मुक्त रखते हैं, जब तक कि हमें कोई मुक्त अंश प्राप्त नहीं होता, हम पहले उधारी नहीं दे सकते। दूसरी बात आप देखेंगे कि ऐसे ज्यादातर मामले जहां पुनर्भुगतान एक वर्ष के भीतर देय है, मैं हमने हैजिंग का सहारा लिया है। एक ऐसा अमेरिकी डॉलर ऋण है जिसका पुनर्भुगतान 4 सितंबर 2017 को किया जाएगा जबकि हमने यह 4 सितंबर 2007 को लिया था। इस प्रकार इस ऋण के संबंध में आज हैजिंग की कोई आवश्यकता नहीं है और न ही इसको हैज रखने के लिए आगामी किस्तों का भुगतान करने की कोई आवश्यकता है। यही कारण है कि हमने इस ऋण को हैज नहीं किया है क्योंकि यह वर्ष 2017 के बाद देय है।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

इस प्रकार, आंतरिक सूचीकरण किस प्रकार किया गया है, यदि एक वर्ष से कम अवधि का समय दिया जाता है तो क्या इसे हैज किया जाएगा?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

नहीं, ऐसे मामलों में मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति लागू होती है, यदि विनिमय दर जोखिम के लिए एक्सपोजर की मात्रा मूलधन हेतु निबल मूल्य के 30 प्रतिशत से कम है और ब्याज के मामले में निबल मूल्य के 20 प्रतिशत से कम है, तो हमें हैजिंग करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इस प्रकार स्थितियां कारपोरेशन की सीआरएम नीति के अनुसार एक्सपोजर की सीमा के भीतर हैं। इसीलिए हम हैजिंग नहीं कर रहे हैं।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

क्या आप उस नीति में परिवर्तन करने के बारे में विचार कर रहे हैं क्योंकि वास्तविकता यह है कि प्रत्येक तिमाही में अच्छा-खासा उतार चढ़ाव हो रहा है, अतः निश्चित ही इस नीति में कुछ न कुछ गलत प्रावधान किए गए हैं? मैं आपकी बात को ध्यान में रखते हुए यह बताना चाहता हूँ कि यदि 10 वर्ष की देयता अवधि दी जाती है तो इसे हैज करने का कोई औचित्य नहीं बनता है। लेकिन अल्पकालीन देयता के लिए आपको समतुल्य अंश मुक्त रखना होता है ताकि फारेक्स (FOREX) मुद्रा बिंदुओं का लाभ मिल सकता है।

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन) हैं और वे इस प्रश्न का स्पष्टीकरण देंगे।

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन)

हाय, मैं श्रीधर। हमारी कंपनी की धन उधार लेने विषयक नीति यह है कि हम दीर्घकालीन अवधि के लिए धन उधार लेते हैं। हम बैंकों की तरह अल्पावधि के लिए धन उधार नहीं लेते हैं और दीर्घकालीन उधारियों के कारण शुरुआत से ही अथवा धन उधार लेने के तुरंत बाद हैजिंग का कोई औचित्य नहीं। आवश्यकता इस बात की है कि हम मुद्रा के संचलन पर भी नजर रखते हैं, यह संभावना है कि ऋण की अवधि के दौरान विनिमय दर में उतार चढ़ाव हो परंतु हमारा उद्देश्य विदेशी मुद्रा ऋण पर ईष्टतम हैज बनाए रखना है। इसका उद्देश्य इतना ही नहीं है कि खाताबही में विनिमय हानि अथवा परिवर्तन हानि को दर्शाया जाए और उसे शुरुआत में ही हैज किया जाए। हमने अमेरिकी डॉलर और एडीबी में दीर्घकालीन ऋण लिए हैं, हमारे पास येन में भी

दीर्घकालीन ऋण हैं। शुरुआत में हैज करना हमारे लिए उपयोगी नहीं है और इसे बंद दर्शाया जा सकता है। इस प्रकार इस बात को ध्यान में रखते हुए हम लगातार मुद्रा दरों पर नजर रखते हैं और उपयुक्त समय आने पर हैजिंग करते हैं।

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

श्रीधर की बात के पूरक के रूप में, हमने वर्ष 2003 में येन ऋण उधार लिया, उस समय हमने उधारियों की तारीख को ही हैजिंग की, इस पर कंपनी की लागत लगभग 9 प्रतिशत रही होगी। इसी बीच हमारी स्थिति में कुछ परिवर्तन हुआ, हमने क्रॉस करेंसी का विकल्प चुना, हमने अमेरिकी डॉलर को रूपए में परिवर्तित किया। हमने डॉलर के लिए डॉलर और येन को अलग-अलग किया और इसी कारण से हम उस अवधि में लागत को 2.15 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक घटाने में सफल रहे। जब हमने 4 फरवरी 2008 को ऋण का पुनर्भुगतान किया तो उस समय कंपनी की लागत 2.15 प्रतिशत प्रतिवर्ष थी। आपके सुझावानुसार माना कि हमने 4 फरवरी 2003 को ही हैजिंग की हुई होती तो हमें 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष का लाभ मिला होता।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

इस प्रकार आवश्यक रूप से आप जो कह रहे हैं उसका आशय यह है कि इस हानि को असाधारण नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि इस हानि के संगत आपके मुक्त अंश के कारण आपका एनआईएम अथवा विस्तार अपेक्षाकृत अधिक हैं, यही आप कहना चाहते हैं?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

नहीं, इसमें नकदी कोई बहिर्गमन शामिल नहीं है, यह हानि अनायास नहीं हुई है, यह आरंभिक हानि है। इस प्रकार जब कभी भी छूट का लाभ प्राप्त होता है, हानि को किसी भी तरीके से बुक किया जाता है और फिर व्यय दर्शाया जाता है। जब तक कि छूट नहीं दी जाती है, यह स्थायी ऋण रहेगा, तो ऐसी स्थिति में इस पर हानि का सवाल कहां उठता है? यह लेखांकन मानकों के अनुसार केवल ऐसी समाप्ति है कि यह खाताबही मूल्य अथवा पूर्ववर्ती तिमाही की तुलना में फोरेक्स स्थिति की मूल्यांकित राशि है। यही अंतर है जो हम स्पष्ट करना चाहते हैं ताकि इसे स्प्रेड अथवा एनआईएम में तब तक दर्ज न किया जाए जब तक कि वास्तविक रूप से इसकी वसूली नहीं कर दी जाती है।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

में पूरी तरह से सहमत हूँ श्रीमान जी, परंतु लाभ और हानि लेखे में ऐसे बहुत से आइटम भरे पड़े हैं जिनका कोई नकदी प्रभार नहीं है। उदाहरण के लिए मूल्यहास कोई नकदी आइटम नहीं है, क्या मैं सही हूँ?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हां।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

इस प्रकार मेरा आशय है कि यदि मुझे लाभ और हानि लेखे में विश्वास करना चाहिए, तो मुझे प्रत्येक आंकड़े पर नजर डालनी चाहिए, क्या मैं सही हूँ?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

मैं इस बात से सहमत हूँ।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

इस प्रकार केवल इसलिए क्योंकि यह नकद आइटम नहीं है, मैं इसकी अनदेखी नहीं कर सकता, क्या ऐसा नहीं है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हम आपको इसकी अनदेखी करने की सलाह नहीं देते हैं; हम यह कह रहे हैं कि हमने लेखाओं में पर्याप्त प्रकटन किया है और विश्लेषण की दृष्टि से जब तक हानि की वसूली नहीं की जाती है, हम हानि को लेखे में शामिल नहीं कर रहे हैं। हम यह कह रहे हैं कि जब कभी यह आवश्यक होता है हम उचित ढंग से हैजिंग करते हैं ताकि हमारी निधियों की लागत कम हो जाए। जैसा कि येन लोन के मामले में हमने इसे मुक्त रखा था और हम लागत को 9 प्रतिशत से 2 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक घटाने में सफल रहे। यदि अवसर प्राप्त होता है तो हम उसका लाभ अवश्य उठाना चाहेंगे।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

दूसरी बात यह है कि आस्थगित कर देयता के संबंध में स्पष्ट तस्वीर सामने कब आयेगी?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हम आईसीएआई के साथ आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई कर रहे हैं। वे इसे अपनी वेबसाइट पर डालेंगे, वे हमारे मानकों का मूल्यांकन कर रहे हैं। हमने समिति के अध्यक्ष से बात की है, वे यहां तक कि इस माह के अंत तक रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकते हैं।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

इसके लिए अपेक्षित समय सीमा क्या है, 6 माह अथवा उससे अधिक?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

बात यह है कि सबसे पहले उन्हें इसे अपनी वेबसाइट पर डालना है, वे सभी संबंधित लोगों की टिप्पणियां प्राप्त करेंगे और फिर हो सकता है इसमें 3 से 6 माह का समय लगे।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

ठीक है, इस प्रकार वर्तमान में प्रति शेयर आधार पर आस्थगित कर देयता क्या होगी?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

सितंबर में यह लगभग 1300 करोड़ रूपए थी, सामान्य आरक्षित निधि 1300 करोड़ रूपए तक बढ़ जाएगी। श्रीमान जी अनुमानतः 11 रूपए प्रति शेयर, आप अपेक्षित प्रत्यावर्तन का लाभ ले सकते हैं। इस प्रकार मूल रूप से यदि आप उसका समायोजन करते हैं, बही मूल्य 94 रूपए होगा।

श्री महेश वाजे – ब्लैकस्टोन

धन्यवाद श्रीमान जी। धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद। अगला प्रश्न रैलीगियर एएमसी के श्री अमित गनात्रा की लाइन से है। कृपया आगे कार्रवाई जारी रखें।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

श्रीमान जी, फ्लोटिंग और फिक्स दरों पर दिए गए ऋणों का प्रतिशत क्या है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

79 प्रतिशत फ्लोटिंग दर परिसंपत्तियां और 21 प्रतिशत फिक्स दर परिसंपत्तियां। यहां में एक बात का उल्लेख करूंगा कि फ्लोटिंग का आशय पूरी तरह से फ्लोटिंग नहीं है जैसे बैंकों में होता है। हमारे पास कुछ ऐसे ऋण हैं जिनमें दरों के पुनर्निर्धारण संबंधी खंड निहित है। जिसके लिए 3 वर्ष, 5 वर्ष और कुछ के लिए 10 वर्ष की पुनर्निर्धारण अवधि शामिल है। ऐसे सभी ऋण जो पुनर्निर्धारण खंड के अधीन हैं उन्हें हम फ्लोटिंग कहते हैं और पुनर्निर्धारण खंड के साथ यह फ्लोटिंग दर 79 प्रतिशत है। इस प्रकार हम यह कह रहे हैं कि यह बाजार में ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप घटता बढ़ता नहीं है। हालांकि यह हर 3 वर्ष में स्टैगर ढंग से आगे बढ़ता है।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

इस प्रकार मेरा आशय यह है कि क्या आपके पास 3 वर्ष, 5 वर्ष और इसी प्रकार आगे के आगामी दौरें उपलब्ध हैं?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

हां, कृपया एक मिनट प्रतीक्षा करें। 3 वर्ष के पुनर्निर्धारण खंड वाले ऋण 60 प्रतिशत, 10 वर्ष के पुनर्निर्धारण खंड वाले ऋण 15 प्रतिशत और अन्य पुनर्निर्धारण खंड वाले ऋण 3 प्रतिशत हैं।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

परंतु वह 10 वर्ष से अधिक अथवा 10 वर्ष से कम होगा?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

नहीं, 10 वर्ष, 5 वर्ष, 3 वर्ष, 4 वर्ष, 6 वर्ष और इसी तरह आगे से कम होगा, उनकी मात्रा – 3 प्रतिशत है।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

इस प्रकार 3 वर्ष वाले 60 प्रतिशत से आशय क्या 3 वर्ष से कम अवधि से भी है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

यह 3 वर्ष हैं, प्रत्येक 3 वर्ष में इसके लिए दर का पुनर्निर्धारण किया जाता है।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

इस प्रकार क्या इसका कुछ भाग ऐसा भी हो सकता है जिसका पुनर्निर्धारण अगले वर्ष किया जाना है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

हर वर्ष पोर्टपोलियो में मंदी का दौर (क्रंच) आता है, अतः हर वर्ष कुछ न कुछ पुनर्निर्धारण किया जाएगा।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

और उधारियों के संबंध में कितना, क्या 80 प्रतिशत फिक्स है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

नहीं, 90 प्रतिशत फिक्स है।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

और श्रीमान जी, क्या आप विदेशी मुद्रा ऋण के बारे में दोहरा सकते हैं, क्या यह 442 मिलियन अमेरिकी डॉलर है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

हां, कुल विदेशी मुद्रा ऋण 523 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समतुल्य है। हमने विदेशी मुद्रा ऋण अमेरिकी डॉलर, येन और यूरो में लिया है। इस प्रकार कुल विदेशी मुद्रा ऋण 523 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जिस पर मैं यह कहूंगा कि 442 मिलियन यूएस डॉलर अमेरिकी डॉलर में ही है। अनुमानतः 8 प्रतिशत यूरो ऋण जो 43 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समतुल्य है और शेष विदेशी मुद्रा ऋण येन में लिया गया है।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

और 47 प्रतिशत को हैज नहीं किया गया है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

कुल 523 मिलियन अमेरिकी डॉलर में से 47 प्रतिशत हैज नहीं किया गया है। जिसमें से 180 मिलियन अमेरिकी डॉलर के आसपास का ऋण वर्ष 2017 में परिपक्व होगा।

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

हम यह बताने का प्रयास कर रहे हैं कि 47 प्रतिशत मुक्त स्थिति है। मुक्त स्थिति में भी हमारे पास दीर्घकालीन ऋण हैं। इस प्रकार लगभग 248 मिलियन अमेरिकी डॉलर मुक्त स्थिति में है, लगभग 180 मिलियन अमेरिकी डॉलर में ऐसे दीर्घकालीन ऋण हैं जो यूएस डॉलर में हैं और यह वर्ष 2017 में परिपक्व होने वाला है।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

180 मिलियन यूएस डॉलर क्या दीर्घकालीन ऋण हैं?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

न केवल 180 मिलियन अमेरिकी डॉलर बल्कि 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समतुल्य एडीबी ऋण भी दीर्घकालीन ऋण हैं जिसे स्टैगर किया गया है और उसका पुनर्भुगतान 20 वर्ष की अवधि तक किया गया है।

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

20 मिलियन अमेरिकी डॉलर स्टैगर किया जा रहा है और अगले वर्ष से प्रारंभ होकर आगामी अवधि में उसका पुनर्भुगतान किया जाएगा, परंतु इसकी राशि न के बराबर है, यहां तक कि यह आधे मिलियन के समतुल्य भी नहीं है। इस प्रकार 180 मिलियन की एकमुश्त राशि का पुनर्भुगतान 2017 में किया जाएगा।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

ठीक है, इस प्रकार उसमें से मूलतः 180 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण संगत रूप से दीर्घकालीन ऋण है, इस प्रकार मैं बात को समझ गया हूँ। इस प्रकार अगले एक वर्ष के भीतर कुल पुनर्भुगतान की कुल मुक्त स्थिति कितनी है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

216 मिलियन अमेरिकी डॉलर का पुनर्भुगतान अगले वर्ष किया जाएगा और 83 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मुक्त स्थिति है, जो लगभग 40 प्रतिशत है।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

अगले वर्ष 216 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया जाएगा जिसमें से 83 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मुक्त स्थिति है, क्या मैं ठीक हूँ?

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

क्या ऐसी कोई हानि जो हमें भविष्य में झेलनी पड़ेगी, क्या यह केवल 83 मिलियन अमेरिकी डॉलर होगी?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हां।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

और श्रीमान जी, मेरा एक और प्रश्न यह है कि सामान्यतः मंजूरीयों और संवितरण के बीच की समयावधि क्या है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

एक मामले हमने मंजूरी, संवितरण, प्रलेखन (दस्तावेजीकरण) हर काम 20 दिन अथवा उसके आसपास में पूरा किया है। और ऐसे भी मामले हैं जिनमें मंजूरी के पश्चात 3 वर्ष के बाद ही संवितरण नहीं किया जा सका। इसलिए मंजूरी और संवितरण के बीच आप औसतन 6 से 9 माह की समयावधि मान सकते हैं।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

मैं यह जानना चाहता हूँ कि आपकी सदुपयोग न की गई मंजूरी में वास्तविक रूप से महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, यदि मैं ठीक हूँ, तो क्या यह 1,10,000 करोड़ है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

इसका कारण मैं बताता हूँ। यह एक परियोजना ऋण है, यह कोई कार्यकारी पूंजीगत ऋण नहीं है... विद्युत क्षेत्र में किसी परियोजना ऋण में राशि का आहरण स्टैगर ढंग से होता है। निबंधन और शर्तों के अनुपालन और प्रलेखन में उनके द्वारा लिए आरंभिक समय के अलावा चूंकि संवितरण स्वतः ही परियोजना की प्रगति के लिए निर्धारित मानदंडों के अनुसार चरणवद्ध ढंग से होता है। इस प्रकार संवितरण 3-4 वर्ष में किया जाएगा। इस प्रकार सामान्यतः लगभग 50 प्रतिशत का मंजूरी – संवितरण अनुपात बहुत अच्छा होता है।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

एक और बात यह है कि वर्तमान परिवेश में क्या आप कोई अतिरिक्त प्रयास करते हैं, मेरा आशय मूलतः निजी क्षेत्र को ऋण स्वीकृत करने से पहले किए जाने वाले चौकन्ने प्रयासों से है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हमारे पास बहुत ही बेहतर मूल्यांकन प्रणाली है और इसके अंतर्गत ब्याज दर अथवा उपस्कर आदि के संबंध में सभी आवश्यक घटकों का पूरा ध्यान रखा जाता है। यदि आपके पास कोई विशेष बात है तो आप हमें बता सकते हैं, हम यथासंभव उसका जवाब देंगे।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

मैं यह समझने का प्रयास कर रहा था कि वर्तमान परिवेश में क्या आप अपेक्षित सतर्कता के संबंध में एनटीपीसी अथवा रिलायंस पावर के बीच कोई अंतर करते हैं क्योंकि एक निजी क्षेत्र की कंपनी है और दूसरी सार्वजनिक क्षेत्र की। इस प्रकार क्या इनके बीच कोई अतिरिक्त अंतर हैं?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

अभी तक एनटीपीसी ने किसी भी परियोजना के वित्त पोषण के लिए ऐसा प्रस्ताव नहीं दिया है। निजी क्षेत्र के लिए उन्हें परियोजना मूल्यांकन के आधार पर आवश्यक होने पर अतिरिक्त सुरक्षा निधि जमा करनी पड़ती है।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

अंतिम बात यह है कि क्या आप क्रेडिट जोखिम एक्सपोजर राशियों के बारे में पुनः जानकारी दे सकते हैं जिनका आपने पहले उल्लेख किया था?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हम यह कर रहे हैं कि हमें मुद्रा संचलन को देखते हुए किसी भी स्तर तक हैज करने की स्वतंत्रता प्राप्त है परंतु हमने अपनी एक आंतरिक नीति बनाई है जिसमें यह प्रावधान किया गया है कि हमारी मुक्त स्थिति विनिमय दर जोखिम के मामले में हमारे निबल मूल्य के 30 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती और ब्याज दर जोखिम के मामले में हमारे निबल मूल्य के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती।

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

यह हमारी आंतरिक नीति है, परंतु हमें किसी भी स्तर तक हैज करने की स्वतंत्रता प्राप्त है, इसके लिए यह आवश्यक नहीं है कि हमें 30 प्रतिशत मुक्त स्थिति बनायी रखनी चाहिए। वर्तमान स्थिति अपेक्षाकृत कम है, हमारी विनिमय दर की मुक्त स्थिति निबल मूल्य के अधिक से अधिक 13 प्रतिशत है और ब्याज दर स्थिति निबल मूल्य के अधिक से अधिक 3 प्रतिशत है।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

और वर्तमान में क्या आपके पास आपकी मंजूरीयों के तहत कोई विशिष्ट विदेशी मुद्रा ऋण हैं?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हां, हमारे पास ऐसे ऋण हैं, अभी तत्काल मेरे पास उनके विवरण उपलब्ध नहीं हैं परंतु मुझे याद है कि हमने इस प्रकार की मंजूरीयां की हैं, इसलिए हम हमेशा कुछ मुक्त स्थिति बनाए रखते हैं, इसलिए हमें कुछ धनराशि उन्हें संवितरित करने के लिए रखनी चाहिए।

श्री अमित गनात्रा – रैलीगियर एएमसी

धन्यवाद श्रीमान जी।

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

ठीक है, आपका धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न यूटीआई म्युचुअल फंड से सुश्री स्वाति कुलकर्णी का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

सुश्री स्वाति कुलकर्णी – यूटीआई म्युचुअल फंड

मेरा प्रश्न यह है कि आपने कहा कि कुल उधारियों का लगभग 90 प्रतिशत फिक्स है जबकि पोर्टफोलियो के 60 प्रतिशत के लिए 3 वर्ष का दर पुनर्निर्धारण खंड लागू है। ऐसे परिदृश्य में मुझे यह बात समझ में नहीं आती है कि यह आप कैसे कर रहे हैं कि एनआईएम और विस्तार को बनाए रखा जाएगा क्योंकि ब्याज दरों में इन स्तरों से भी गिरावट होने वाली है। अतः यह लक्ष्य किस प्रकार प्राप्त किया जाएगा?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

परिसंपत्तियों के संबंध में जो पुनर्निर्धारण खंड लागू है उसे हम फ्लोटिंग के रूप में दर्शाते हैं और जो ऋण ब्याज दर के साथ है उन्हें देनदारी पक्ष में फ्लोटिंग के रूप में दर्शाया जाएगा। हम अल्पकालीन, मध्यकालीन, दीर्घकालीन अवधि के लिए धन उधार लेते हैं, अतः यह ऋणों का मिश्रित रूप है और इस प्रकार हमारे ये मिश्रित ऋण एनआईएम का उचित ध्यान रखेंगे।

सुश्री स्वाति कुलकर्णी – यूटीआई म्युचुअल फंड

इस प्रकार मूलतः आप यह कह रहे हैं कि परिसंपत्ति-देयता मिश्रण के अंतर्गत एनआईएम का ध्यान रखा जाएगा?

सुश्री स्वाति कुलकर्णी – यूटीआई म्युचुअल फंड

और विदेशी मुद्रा मंजूरियों, विदेशी मुद्रा उधारियों के संदर्भ में यदि विभिन्न मुद्राओं में आपके पास 523 मिलियन अमेरिकी डॉलर हैं तो इसमें से भिन्न-भिन्न अनुपात क्या होंगे। अतः आज की तारीख में क्या आपके पास समतुल्य राशि की मंजूरियां होंगी अथवा उसकी तुलना में कम होंगी?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

किसी समय विशेष में मैं यह नहीं कहूँगा कि हम विदेशी मुद्रा केवल इसलिए उधार ले रहे हैं क्योंकि हमें विदेशी मुद्रा में भी धन उधार देना पड़ता है, हम विदेशी मुद्रा उधारी रूप में धन उधार देने के लिए भी लेते हैं। वर्तमान में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां कुल ऋण परिसंपत्तियों का 1 प्रतिशत है। परंतु जब कभी भी ऋणग्राही से हमें विदेशी मुद्रा की मांग प्राप्त होती है हम उसे मना नहीं कर सकते कि हमारे पास विदेशी मुद्रा में धनराशि उपलब्ध नहीं है और इसलिए हम उसे धन उधार नहीं दे सकते हैं।

सुश्री स्वाति कुलकर्णी – यूटीआई म्युचुअल फंड

ठीक है, धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एचडीएफसी म्युचुअल फंड से श्री आनंद लढा का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री आनंद लढा एचडीएफसी म्युचुअल फंड

नमस्कार श्रीमान जी, क्या आप मुझे इतनी जानकारी दे सकते हैं कि आपके वर्तमान ऋणों के साथ साथ देनदारियों की अवधि क्या है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

परिसंपत्तियों के लिए परिपक्वता अवधि 5.43 वर्ष और देनदारियों के लिए 4.45 वर्ष है।

श्री आनंद लढा एचडीएफसी म्युचुअल फंड

देनदारियों के संबंध में आपने उल्लेख किया था कि 90 प्रतिशत देनदारियां निर्धारित हैं, यहां तक कि बैंक ऋण देयता भी निर्धारित हैं अथवा इसके लिए आपने कोई दर पुनर्निर्धारण खंड लागू किया है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

90 प्रतिशत देयता निर्धारित है।

श्री आनंद लढा एचडीएफसी म्युचुअल फंड

और यहां तक कि आपके द्वारा लिया गया बैंक ऋण भी निर्धारित है अथवा इसके लिए कोई दर पुनर्निर्धारण खंड लागू है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

कुछ निर्धारित दर पर हैं और कुछ फ्लोटिंग दर पर भी हैं।

श्री आनंद लढा एचडीएफसी म्युचुअल फंड

बैंक ऋण के मामले में क्या वे बैंक के पीएलआर से संबद्ध हैं, अतः जब कभी भी वे बैंक के पीएलआर पर नजर डालते हैं आपके ऋणों का भी पुनर्मूल्यांकन हो जाता है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

कुछ ऋण बैंकों के पीएलआर पर संबद्ध हैं, कुछ के लिए दर पुनर्निर्धारण खंड लागू है और कुछ ऋण फिक्स दर पर हैं, इस प्रकार ऋण मिश्रित रूप से लिए गए हैं।

श्री आनंद लढा एचडीएफसी म्युचुअल फंड

श्रीमान जी वह भाग कितना है जिसके लिए दर पुनर्निर्धारण खंड लागू है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

तत्काल अभी इसके ब्यौरे मेरे पास उपलब्ध नहीं हैं वह अंश जिसके लिए पुनर्निर्धारण खंड लागू है, हमारे कुल ऋण पोर्टफोलियो का 10 प्रतिशत है।

श्री आनंद लढा एचडीएफसी म्युचुअल फंड

मैं देनदारियों के बारे में बात कर रहा हूँ।

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

में देनदारियों के बारे में ही बात कर रहा हूँ, मैं यह कर रहा हूँ कि कुल देनदारियों में से 90 प्रतिशत फिक्स और 10 प्रतिशत फ्लोटिंग है जिसमें पीएलआर आधारित पुनर्निर्धारण, अथवा पुनर्निर्धारण खंड आधारित, प्रत्येक भाग शामिल हैं।

श्री आनंद लढा - एचडीएफसी म्युचुअल फंड

श्रीमान जी, क्या आप केवल इतनी जानकारी दे सकते हैं कि ऋण और अग्रिम के संबंध में अगले वर्ष कितनी राशि का पुनर्मूल्यांकन किया जाना है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हम अभी इसका अनुमान नहीं लगाएंगे।

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

चूंकि यह भावी अवधि से संबंधित है, अतः हम इसकी संख्या अभी नहीं बताना चाहते हैं।

श्री आनंद लढा --एचडीएफसी म्युचुअल फंड

ठीक है श्रीमान जी। देनदारियों के संदर्भ में भी किस प्रकार की देनदारियां परिपक्व हो रही हैं?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

वर्तमान में हम आंकड़ों का उल्लेख करते हुए चर्चा नहीं कर सकते हैं। एक और बात, परिसंपत्ति और देनदारियों, जिसके बारे में आपने जानना चाहा है, की परिपक्वता में सुधार करते हुए मैं आपको बताना चाहूंगा कि परिसंपत्तियों के लिए परिपक्वता अवधि 5.43 वर्ष है और देनदारियों की परिपक्वता अवधि 4.45 वर्ष है।

श्री आनंद लढा एचडीएफसी म्युचुअल फंड

ठीक है श्रीमान जी, धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न यूटीआई एसेट मैनेजमेंट से श्री अमित प्रेमचंदानी का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री अमित प्रेम चंदानी – यूटीआई एसेट मैनेजमेंट

भविष्य में अपेक्षित औसत प्रभावन क्षमता क्या है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

वर्तमान में यह लगभग 6 गुना से अधिक है, भविष्य के बारे में मैं अनुमान नहीं लगाना चाहूंगा, यह संवितरण पर आधारित है और फिर हम निबल मूल्य के बारे में भी कैसे अनुमान लगा सकते हैं। इसलिए मैं शुरुआत में ठीक अभी इसका अनुमान नहीं लगाना चाहूंगा परंतु वर्तमान में यह लगभग 6 गुने के आसपास है।

श्री अमित प्रेम चंदानी – यूटीआई एसेट मैनेजमेंट

और निजी क्षेत्र की मंजूरियां लगभग 22 प्रतिशत हैं, उनके संवितरण में कब तक दर्शाए जाने की संभावना है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

इसमें समय लगेगा। ऐतिहासिक रूप से संपूर्ण विद्युत क्षेत्र राज्य क्षेत्र में आता है। यहां तक 11वीं पंचवर्षीय योजना में आप देखेंगे कि केवल 20,000 मेगावाट ही निजी क्षेत्र द्वारा सृजित किया जा रहा है और शेष सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा सृजित किया जा रहा है। यहां तक कि यदि वे लगभग 20,000 मेगावाट सृजित करते हैं, तो संपूर्ण विद्युत क्षेत्र में उनका कुल अनुपात बहुत कम होगा। इसलिए हम यह नहीं कह सकते हैं कि पूरा 22 प्रतिशत इस वर्ष संवितरित कर दिया जाएगा

श्री अमित प्रेम चंदानी – यूटीआई एसेट मैनेजमेंट

और आपने बांड बाजार से किस दर पर धन उठाया है, क्या हम दर और उत्तरोत्तर दरें प्राप्त कर सकते हैं?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

अभी हाल ही में हमने जो किया है वह लगभग 8.71 प्रतिशत है।

श्री अमित प्रेम चंदानी – यूटीआई एसेट मैनेजमेंट

वह इतनी हैं, धन्यवाद।

संचालक:

धन्यवाद। अगला प्रश्न एबीएन एमरो से श्री जतिन्दर अग्रवाल का है। कृपया आगे कार्रवाई जारी रखें।

श्री जतिन्दर अग्रवाल – एबीएन एमरो

श्रीमान जी, सभी को नमस्कार।

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

नमस्कार।

श्री जतिन्दर अग्रवाल – एबीएन एमरो

श्रीमान जी, केवल एक बात जानना चाहता हूँ कि यदि अतीत में झांक कर देखें, गत वर्ष के मध्य तक हम आपकी सीट आपके प्रजेंटेशन में देखा करते थे जिसमें भारित औसत शामिल हुआ करता था। इसके साथ साथ आपकी देनदारी पर फिक्स और फ्लोटिंग दरों का भी उल्लेख हुआ करता था, यदि आप इन मदों को पुनः शामिल करेंगे तो हम आपके आभारी रहेंगे।

श्री जतिन्दर अग्रवाल – एबीएन एमरो

क्या आप हमें इस संबंध में अद्यतन जानकारी दे सकते हैं कि आपके कारोबार की परियोजना साईड में क्या हो रहा है? क्या आपको परियोजनाओं के रद्दीकरण, बिलंब, लागत वृद्धि और इसी तरह की अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

हमारे ऋण में हुई वृद्धि आपके सवाल का जवाब दे रही है। छोटे मोटे रद्दीकरण हो सकते हैं परंतु बड़ी मात्रा में ऐसी घटनाएं सामने नहीं आई हैं जिन पर ध्यान दिलाया जाना आवश्यक है। जहां तक संवितरण का प्रश्न है, इस दिशा में हमें कोई मंदी (कमी) नहीं झेलनी पड़ी है। छः माह तक यह 50 प्रतिशत थी और अब 45 प्रतिशत है; सामान्यतः हम यह पाते हैं कि चौथी तिमाही में संवितरण तेजी से बढ़ता है, अतः हम महसूस करते हैं कि हमारी वृद्धि की गति संवितरण और ऋण परिसंपत्तियों में होने वाली वृद्धि के अनुकूल होगी। हमारी ऋण बही का लगभग 91

प्रतिशत अंश राज्य क्षेत्र से संबंधित है जो अपनी इक्विटी के लिए बजटीय सहायता पर निर्भर होते हैं न कि पूंजीगत बाजार पर। सरकार से उद्दीपन पैकेज (स्टीमुलस पैकेज) और ब्याज दर में होने वाली कमी, जो आरबीआई द्वारा की गई है को ध्यान में रखते हुए और इस बात को ध्यान को रखते हुए कि राज्य क्षेत्र योजना आयोग के आबंटन और बजटीय सहायता पर निर्भर करता है, हम यह पाते हैं कि हमारी ऋण बही में किसी भी प्रकार की मंदी अथवा कमी नहीं होगी।

श्री जतिन्दर अग्रवाल – एबीएन एमरो

श्रीमान जी अंतिम एक प्रश्न, जो 1000 बिलियन रूपए कर मुक्त बांड की प्रेस रिपोर्टों पर आधारित है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हां, यह सही तथ्य है कि माननीय विद्युत मंत्री श्री सुशीलकुमार सिंदे ने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा है और समाचार पत्रों की रिपोर्टों में कहा गया है कि यह वित्त मंत्रालय के विचाराधीन है। अभी हम केवल इतना ही बता सकते हैं

श्री जतिन्दर अग्रवाल – एबीएन एमरो

इस संबंध में बहुत सी अटकलें लगाई जा रही हैं, मैं केवल इतना समझना चाहता हूँ कि क्या अतीत में कभी आपको इस प्रकार के बांड जारी करने की अनुमति प्रदान की थी?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

हां, 1997 98 में हमने कर मुक्त बांड जारी किए थे, 10.5 प्रतिशत बांड, और 1996 97 में दो ट्रेज और इस प्रकार 1998 के बाद ऐसा नहीं किया गया।

श्री जतिन्दर अग्रवाल – एबीएन एमरो

श्रीमान जी, यह बड़ी जटिल बात लगती है कि आप उस दौर में कर मुक्त बांड जारी कर रहे थे जब आपकी लागत उधारियों की सामान्य लागत की तुलना में कम रही होगी। क्या इस तरह के विस्तार से होने वाला लाभ कंपनी को मिलता है अथवा ऋणग्राहियों को दिया जाता है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

यह कंपनी के विवेकाधिकार पर छोड़ दिया जाता है और कंपनी यह निश्चित करती है कि यह लाभ ऋणग्राहियों को दिया जाए अथवा कंपनी के पास रखा जाए।

श्री जतिन्दर अग्रवाल – एबीएन एमरो

और श्रीमान जी, अतीत में क्या इसे कंपनी के पास रखा गया अथवा ऋणग्राहियों को दिया गया?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

उन दिनों हमारा लाभ (मार्जिन) लगभग 6 प्रतिशत था, यह ऐतिहासिक रूप से उल्लेखनीय है।

श्री जतिन्दर अग्रवाल – एबीएन एमरो

ठीक है श्रीमान जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक:

धन्यवाद। अब हम सम्मेलन के अंतिम तीन प्रश्न लेंगे। अगला प्रश्न आईसीआईसीआई सिक्युरिटीज के श्री सिद्धार्थ तेली का है। कृपया आगे कार्रवाई जारी रखें।

श्री सिद्धार्थ तेली – आईसीआईसीआई सिक्युरिटीज

नमस्कार श्रीमान जी। मैं केवल यह जानना चाहता हूँ कि अंतिम तिमाही में जब तरलता का संकट था तो उस समय वास्तविक रूप से एकत्र की गई राशि की मात्रा क्या है और मिश्रित आधार पर-आपको दी गई दर क्या है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

अंतिम तिमाही में हमने लगभग 11.25 प्रतिशत की दर पर लगभग 2600 करोड़ रूपए का एक बांड इश्यू जारी किया।

श्री सिद्धार्थ तेली – आईसीआईसीआई सिक्युरिटीज

श्रीमान जी, मैं केवल इतना समझना चाहता हूँ कि वास्तविक रूप से दरें कम हैं, हमारी 90 प्रतिशत उधारी फिक्स दरों पर हैं और इस प्रकार के वातावरण, जहां परिसंपत्तियों का

पुनर्मूल्यांकन देनदारियों की तुलना में तेज गति से किया जाएगा, श्रीमान जी, ऐसी परिस्थितियों में हम अपने विस्तार की रक्षा किस प्रकार से कर सकते हैं?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

हम आपको यह बताना चाहते हैं कि 90 प्रतिशत फिक्स का मतलब यह नहीं है कि यह बड़े समय के लिए फिक्स है। हमारे पास मिश्रित देनदारियां हैं, इसमें कुछ अल्पकालीन ऋण हैं जो एक वर्ष से भी कम अवधि में परिपक्व हो रहे हैं। हमारे पास 2 से 3 वर्ष और फिर 5 वर्ष और 10 वर्ष अवधि में परिपक्व होने वाले ऋणों का मिश्रण है। अतः इस मिश्रण में आपने यह देखा होगा कि हम पुनर्मूल्यांकन, परिसंपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन और देनदारियों के पुनर्मूल्यांकन पर ब्याज दरों के जोखिम को बनाए रखने में सक्षम हैं। इस सबके परिणामस्वरूप हम अपने विस्तार को बनाए रख सकेंगे।

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

उदाहरण के लिए हमने अभी हाल ही में 8.71 प्रतिशत का एक बांड इश्यू जारी किया है। ये निर्धारित दर बांड हैं, इनकी समयावधि 18 माह है। अतः यदि आप उस आधार पर देखते हैं तो यहां तक कि कोई अल्पावधि ऋण भी देनदारियों के पुनर्मूल्यांकन के समतुल्य है। इस प्रकार उस ढंग से भी यदि हम निर्धारित दर ऋणों की गणना करते हैं, तो वे पुनर्मूल्यांकन हेतु शामिल हो सकते हैं और इसके लिए फ्लोटिंग दर परिसंपत्तियों को ध्यान में रखा जाएगा।

श्री सिद्धार्थ तेली – आईसीआईसीआई सिक््युरिटीज

श्रीमान जी, क्या आप हमें बता सकते हैं कि यदि आपको वर्तमान में धन उधार देना हो तो उत्तरोत्तर लब्धि क्या होगी?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

हम भविष्य की बातों के बारे में टिप्पणी नहीं करना चाहेंगे, हम केवल इतना कहना चाहते हैं कि हम अपना विस्तार लगभग 2 प्रतिशत बनाए रखने के लिए प्रयास करते रहेंगे।

श्री सिद्धार्थ तेली – आईसीआईसीआई सिक््युरिटीज

ठीक है। धन्यवाद श्रीमान जी।

संचालक:

धन्यवाद। अगला प्रश्न कोटक सिक्युरिटीज के श्री रामनाथ वी. का है। कृपया आगे कार्यवाई जारी रखें।

श्री रामनाथ वी.- कोटक सिक्युरिटीज

हैलो श्रीमान जी, मैं सम्मेलन में थोड़ा बिलंब से पहुंच सका, अतः यदि मैं प्रश्न दोहरा रहा हूँ तो इसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूँ। मैं केवल इस संबंध में इतना जानना चाहता हूँ कि आप विशेष रूप से लोन सिंडिकेशन के क्षेत्र में अपनी गैर ब्याज आय को बढ़ाने के लिए क्या कर रहे हैं और आगे कौन कौन सी अन्य कार्य किए जाने की योजना है। इसके अलावा, राज्य क्षेत्र की योजनाएं, यहां तक कि जो आप राज्य स्तर पर क्रियान्वित करने की योजना बना रहे हैं और क्या आप यूएमपीपी जैसी कुछ योजनाएं क्रियान्वित करने वाले हैं। अतः क्या आप इस संबंध में अद्यतन जानकारी दे सकते हैं या आपने इस संबंध में पहले से ही कुछ क्रियान्वयन कर लिया है, यदि मैंने यह प्रश्न पुनः किया हो तो इस बात के लिए मैं क्षमाप्रार्थी हूँ?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

परामर्श कारोबार के मामले में हमने यह कारोबार पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड को हस्तांतरित कर दिया है और इसी कारण से हमने परामर्श कारोबार से होने वाली अन्य आय के अंतर्गत कोई आय नहीं दर्शायी है। राज्य क्षेत्र में कुछ परियोजनाएं ऐसी हैं जो यूएमपीपी के तरह हमने की हैं, और आगे भी प्रयास जारी है। इस प्रकार, राज्य स्तर की ऐसी सभी कंपनियों के पास लगभग 50 से 60 करोड़ का कारोबार है। वास्तव में, कुल आय की तुलना में यदि आप नजर डालते हैं तो आप पाएंगे कि आप की परामर्श सेवा से होने वाली आय बढ़ नहीं रही है, हां, यह सही है, यह नहीं बढ़ रही है। यह अन्य वित्तीय संस्थानों की तुलना में उस गति से नहीं बढ़ेगी।

श्री रामनाथ वी. – कोटक सिक्युरिटीज

श्रीमान जी, आपके कारोबार में ऋण सिंडिकेशन भाग की क्या स्थिति है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

ऋण सिंडिकेशन का कार्य पीएफसी के नियंत्रणाधीन रहेगा क्योंकि यह कारोबार पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड को हस्तांतरित नहीं किया गया है। हम निजी क्षेत्र में दो तीन जगह नेतृत्व की स्थिति प्राप्त करने वाले हैं, जिसे अगले वर्ष मूर्तरूप दिया जा सकता है।

श्री रामनाथ वी.- कोटक सिक्युरिटीज

ठीक है श्रीमान जी, धन्यवाद।

संचालक:

हैलो। मैं क्षमाप्रार्थी हूँ, अंतिम प्रश्न एडलेवीस के श्री कुनाल शाह का है। कृपया आगे कार्रवाई जारी रखें।

श्री कुनाल शाह – एडलेवीस

श्रीमान जी, मैं केवल इतना जानना चाहता हूँ कि पिछली तीन से चार तिमाहियों के दौरान राज्यवार मंजूरियां क्या रहीं। वित्त 2008 के अंत में हमने लगभग 69000 करोड़ रूपए और पहले 9 माह के दौरान 43000 करोड़ रूपए के आसपास मंजूर किए हैं। इस प्रकार क्या किसी एक राज्य विशेष अथवा कुछ राज्यों पर बहुत अधिक ध्यान आकृष्ट किया गया है। अतः क्या आप ऐसे 2-3 राज्यों का विवरण दे सकते हैं जहां सर्वाधिक मंजूरियां की गई हों?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

कुनाल हम इसके विवरण देंगे, परंतु वर्तमान में हमारे पास ये विवरण उपलब्ध नहीं है, हम ये विवरण आपको अलग से देंगे।

श्री कुनाल शाह – एडलेवीस

श्रीमान जी, पुनर्भुगतान के संबंध में यदि आप देखेंगे तो पहले 9 माह के दौरान पुनर्भुगतान पिछले 4 5 वर्ष की तरह है। हमने 18 20 प्रतिशत की रेंज में पुनर्भुगतान देखे हैं परंतु पहले 9 माह के दौरान वित्त वर्ष 2008 में बकाया राशियों का केवल 10 प्रतिशत ही रहा है। इस प्रकार इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप वित्त वर्ष 2010 और 2011 के लिए कोई मार्गदर्शन नहीं देंगे परंतु क्या आप इस बात का अनुमान लगा सकते हैं कि चौथी तिमाही के आने वाले दिनों में आपको कितनी राशियों का पुनर्भुगतान किया जाएगा?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

ऋणग्राहियों को हमारी देय राशियों का पुनर्भुगतान अथवा उधारियों से हमारा पुनर्भुगतान?

श्री कुणाल शाह – एडेलवीस

नहीं, ऋणग्राहियों को आपकी देय राशियों का पुनर्भुगतान।

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

यह हो सकता है 1000 करोड़ रूपए से थोड़ा बहुत कम हो।

श्री कुणाल शाह – एडेलवीस

1000 करोड़ रूपए से कम, ठीक है, इस प्रकार इस तिमाही में पुनर्भुगतान लगभग 1700 करोड़ रूपए था। इस प्रकार हो सकता है कि आगामी तिमाही में भी यह लगभग 1000 करोड़ रूपए हो। और श्रीमान जी, प्रजेंटेशन में, यदि मैं प्रेस विज़सि देखता हूँ तो वहां फॉरेक्स हानि 68 करोड़ रूपए है परंतु यदि मैं प्रजेंटेशन के पश्चात कर समायोजनों पर नजर डालता हूँ तो यह 38 करोड़ रूपए है, इस अंतर के क्या कारण हैं?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

पिछली बोर्ड बैठक में उन्होंने निश्चय किया था कि परिवर्तन हानि मूल हानि के रूप में हो सकती है और कूपन स्वैप के साथ-साथ 1 रुपी बांड को हमने जापानी येन के कूपन में परिवर्तित किया है। अभी तक हम इसे लाभ और हानि लेखा में लागत के एक भाग के रूप में दर्शाते आ रहे हैं परंतु इस बार हानि को परिवर्तन हानि के रूप में दर्शाया जाएगा और इसलिए हमने 68 करोड़ रूपए दर्शाए हैं। परंतु प्रजेंटेशन में हम इसे कूपन स्वैप के मामले में उधारी लागत के रूप में दर्शा रहे हैं अथवा मूलधन स्वैप के मामले में विनिमय हानि के रूप में दर्शा रहे हैं।

--

श्री कुणाल शाह – एडेलवीस

क्या आप मुझे कूपन स्वैप और मूलधन स्वैप का ब्रेकअप दे सकते हैं?

श्री श्रीधर, अपर महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), पीएफसी

68 करोड़ रूपए में से 57 करोड़ रूपए परिवर्तन हानि है; और तुलनात्मक लाभ में दर्शाए गए 38 करोड़ रूपए निवल कर नहीं है।

श्री कुणाल शाह – एडेलवीस

यह 57 करोड़ रूपए है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

57 करोड़ रूपए सकल परिवर्तन हानि है।

श्री कुणाल शाह – एडेलवीस

और श्रीमान जी जो आय कर रिफंड हैं, ब्याज सहित आय कर रिफंड, यह दूसरी के साथ-साथ तीसरी तिमाही में था और यह लगभग 5 करोड़ रूपए का विषम आंकड़ा है, अतः इसके समतुल्य कोई राशि है, क्या इस संदर्भ में आप कोई जानकारी दे सकते हैं?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

पूर्ववर्ती अवधि के संगत मूल्यांकन के समतुल्य हमें आय कर रिफंड प्राप्त हुआ है।

श्री कुणाल शाह – एडेलवीस

हां ऐसा है, अतः यह किए गए मूल्यांकन के अनुसार है और हमें अब आय कर रिफंड की अपेक्षा नहीं है अथवा क्या इसे बंद कर दिया गया है?

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

वर्ष दर वर्ष आधार पर आय कर मूल्यांकन की राशि रिफंड कर दी गई है और इस प्रकार अब हमारा मूल्यांकन पूरा हो गया है।

श्री कुणाल शाह – एडेलवीस

ठीक है, श्रीमान जी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

संचालक:

धन्यवाद श्री शाह। अब मैं सम्मेलन की कमान श्री भरत गोरसिया को अपना अंतिम वक्तव्य देने के लिए सौंपना चाहूंगा ।

श्री भरत गोरसिया – प्रभुदास लीलाधर

बहुत-बहुत धन्यवाद श्रीमान जी, सभी प्रतिभागियों का सम्मेलन में भाग लेने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री आर नागराजन – कार्यपालक निदेशक (वित्त), पीएफसी

वास्तव में किसी काम से मैं मंत्रालय में था इसीलिए मुझे लगभग 10-15 मिनट का समय लग गया। एक बार पुनः आप सभी को पीएफसी के सम्मेलन में उपस्थित होने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक:

धन्यवाद श्री नागराजन, धन्यवाद श्री गोरसिया और सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद। प्रभुदास लीलाधर प्रा. लि. की ओर से इस सम्मेलन के समापन की घोषण की जाती है। हमारे बीच उपस्थित होने के लिए धन्यवाद और अब आप अपनी लाइनें डिसकनेक्ट कर सकते हैं।

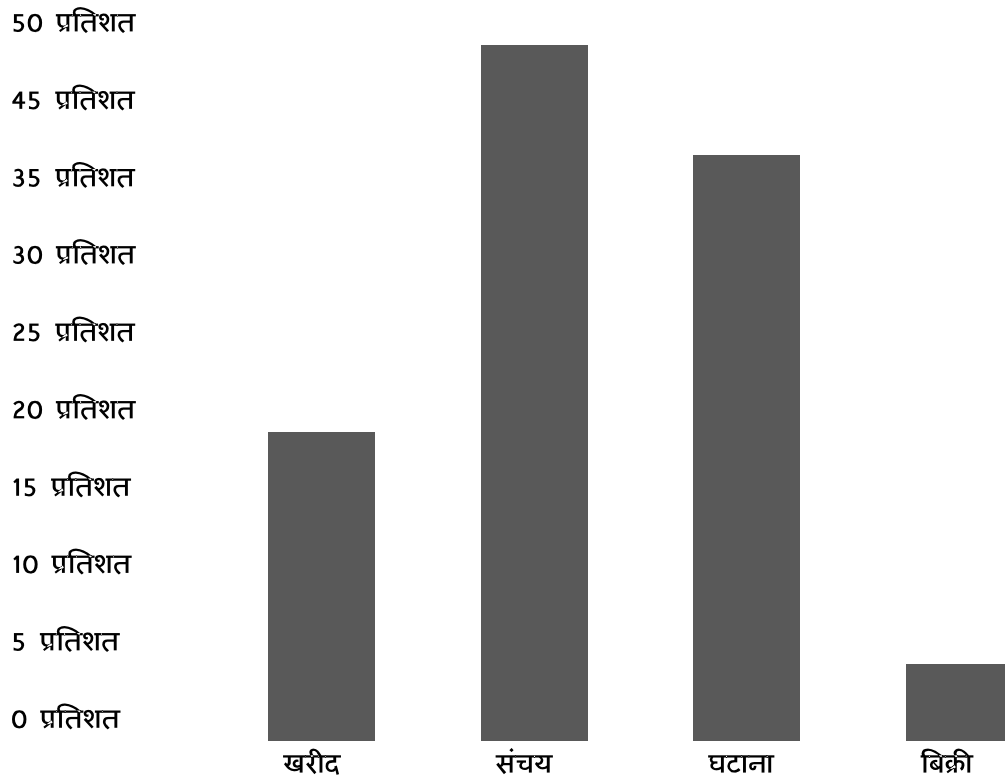
प्रभुदास लीलाधर

प्रभुदास लीलाधर प्रा. लि.

तीसरा तल, साधना हाऊस, 570, पी.बी. मार्ग, वर्ली, मुंबई-400 018, भारत

दूरभाष (91 22) 6632 2242, फैक्स (91 22) 6632 2209

अनुसंधान कवरेज का रेटिंग वितरण



पीएल की सिफारिश नामावली

खरीद: 12 – माह में सूचकांक के निष्पादन से 15 प्रतिशत अधिक

घटाना: 12 – माह में सूचकांक के निष्पादन की तुलना में कम

ट्रेडिंग खरीद: 1 – माह में निश्चित और अभीष्ट रूप से 10 प्रतिशत से अधिक

नॉट रेटेड (एन आर): स्टॉक पर कोई विशिष्ट कॉल नहीं।

संचित करना: 12 – माह में सूचकांक के निष्पादन से अधिक

बिक्री: 12 – माह में सूचकांक के निष्पादन से 15 प्रतिशत अधिक

ट्रेडिंग बिक्री: 1 – माह में 10 प्रतिशत तक की अभीष्ट गिरावट

समीक्षाधीन (यू आर): रेटिंग शीघ्र ही परिवर्तित होने वाली है

यह दस्तावेज प्रभुदास लीलाधर प्रा. लि., मुंबई, इंडिया, (पीएल) के अनुसंधान प्रभाग द्वारा तैयार किया गया है और यह प्राप्तकर्ता द्वारा केवल उसके सूचनार्थ प्रयोग किए जाने के लिए है न कि परिचालन के लिए। यह दस्तावेज प्रभुदास लीलाधर प्रा. लि. मुंबई, इंडिया की पूर्व अनुमति के बिना रिपोर्ट अथवा कॉपी अथवा अन्य लोगों को उपलब्ध नहीं कराया जाए। इसे बिक्री के लिए प्रस्ताव के रूप में नहीं माना जाना चाहिए अथवा बिक्री के प्रस्ताव के रूप में नहीं दिया जाना चाहिए अथवा किसी प्रतिभूति की खरीद अथवा बिक्री के लिए कोई याचना अथवा अनुरोध नहीं माना चाहिए।

इस रिपोर्ट में निहित सूचना ऐसे स्रोतों से प्राप्त की गई है जिन्हें विश्वसनीय माना जाता है। परंतु प्रभुदास लीलाधर प्रा. लि., मुंबई, इंडिया ने स्वतंत्र रूप से इसकी परिशुद्धता अथवा पूर्णता का प्रत्यक्ष रूप से सत्यापन नहीं किया है। न तो प्रभुदास लीलाधर प्रा. लि., मुंबई, इंडिया न ही इसकी कोई सहायक / संबद्ध कंपनी, इसके निदेशक अथवा कर्मचारी इसमें दी गई किसी भी प्रकार की सूचना, विवरण अथवा दृष्टिकोण, यहां उपलब्ध कराए गए अथवा व्यक्त किए गए विचार या उनमें किसी भी प्रकार की कमी / चूक के लिए कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते हैं।

इस रिपोर्ट के प्राप्तकर्ताओं को इस बात से भलीभांति जागरूक होना चाहिए कि पिछला निष्पादन आवश्यक नहीं है कि भावी निष्पादन का मार्गदर्शन हो और निवेश का मूल्य नीचे भी जा सकता है। किसी निवेश की उपयुक्तता अथवा अन्यथा प्राप्तकर्ता की अपनी विशेष परिस्थितियों पर निर्भर करेगा और किसी भी संदेह के मामले में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ / सलाहकार से सलाह ली जानी चाहिए।

या तो प्रभुदास लीलाधर प्रा. लि., मुंबई, इंडिया या इसकी कोई सहायक / संबद्ध कंपनी अथवा इसके निदेशक अथवा इसके कर्मचारी अथवा प्रतिनिधि अथवा इसके ग्राहक अथवा संबंधी इस रिपोर्ट में संदर्भित कंपनियों की प्रतिभूतियों के लेन-देन-में-किसी-भी-हैसियत-(हैसियतों)-में-हो-सकते-हैं,-बजार-निर्मित-कर-सकते-हैं,-प्रधान-के-रूप-में कार्य कर सकते हैं अथवा लेन देन में शामिल हो सकते हैं और हो सकता है उन्होंने प्रकाशन से पहले इस अनुसंधान सामग्री का प्रयोग किया हो।

हम इस दस्तावेज में उल्लिखित किसी कंपनी के लिए निवेश बैंकिंग अथवा अन्य सेवाओं के लिए समय समय पर अनुरोध अथवा निष्पादन कर सकते हैं।